RNI No.-UPHIN2016/70155

के.डी.न्यूज

साप्ताहिक
हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष–04 अंक–25 सुलतानपुर, 07 नवम्बर 2019 पृष्ठ : 08 मूल्य : 3.00 रुपये

फैसले से पहले इंटेलिजेंस अलर्ट, अफवाह फैलाने वालों पर रखी जा रही नजर

नई दिल्ली। वर्षों पुराने अयोध्या केस को लेकर जैसे–जैसे फैसले की घड़ी करीब आ रही है, गहमागहमी बढ़ती जा रही है। फैसले के बाद शांति–व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस–प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। देशभर में केंद्र सरकार, राज्य सरकार सहित जिला स्तर पर पुलिस–प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां करने में जुटा हुआ है।

अयोध्या केस राजनीतिक और सांप्रदायिक रूप से बेहद संवेदनशील मामला है। यही वजह है कि केंद्र से लेकर राज्य सरकारें, फैसले के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर जरूरी तैयारियां कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में इसे लेकर खास सतर्कता बरती जा रही है। यूपी के सभी जिलों में पुलिस–प्रशासन ने सभी धर्म के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर शांति समिति की बैठकें शुरू कर दी हैं। बैठकों में विशेष तौर पर हिंदू–मुस्लिम धार्मिक गुरुओं व संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देश जारी किए जा रहे हैं। केंद्र से लेकर जिला स्तर पर बैठकों का दौर जारी है।

मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले में 6 अगस्त से नियमित सुनवाई शुरू की थी। आमतौर पर सुप्रीम कोर्ट सप्ताह में तीन दिन ही किसी केस की नियमित सुनवाई करता है। अयोध्या मामला काफी पुराना, पेचीदा और महत्वपूर्ण होने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में सप्ताह के पांचों दिल लगातार सुनवाई की। ये पहली बार है जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे किसी ऐतिहासिक मामले की सुनवाई रिकॉर्ड 40 दिनों में पूरी की है।

– केंद्र सरकार में फैसले के बाद कानून–व्यवस्था कायम रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बैठकों का दौर जारी है।

– केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकारों के संपर्क में है और हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया है कि वह हर छोटी–बड़ी घटना की जानकारी तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को उपलब्ध कराएं।

– केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को भी शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए अलर्ट किया गया है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियां, स्थानीय खुफिया एजेंसियों के लगातार संपर्क में हैं।

– राज्य स्तर पर सभी जिलों के एसएसपी व डीएम को निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्हें संवेदनशील स्थानों और शरारती तत्वों को चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं।

– जिला स्तर पर डीएम–एसएसपी लगातार शांति समिति की बैठकें कर आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं।

– धर्म गुरुओं व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा, उसे खुले दिल से स्वीकार किया जाए।

– फैसले के बाद न तो किसी तरह का जश्न मनाया जाएगा और न ही कोई विरोध कर सकेगा। ऐसा करने वाले के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

– अगर कोई असामाजिक तत्व फैसले के बाद गड़बड़ी फैलाता है तो उस पर गुंडा एक्ट, छै।, क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट समेत अन्य संगीन धाराओं में कार्रवाई होगी।

– सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के भ्रामक मैसेज वायरल किए जा रहे हैं।

– पुलिस समेत अन्य खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के वायरल संदेशों पर भी कड़ी निगरानी कर रही है।

– लोगों को सलाह दी जा रही है कि वह किसी भी वायरल मैसेज को बिना सोचे–समझे फॉरवर्ड न करें। विशेष तौर पर अयोध्या केस से जुड़े वायरल मैसेज या धार्मिक उन्माद फैलाने वाले मैसेज को फॉरवर्ड न करें।

– किसी अप्रिय घटना, शरारती तत्वों और फेक वायरल मैसेज की जानकारी तत्काल संबंधित राज्य अथवा जिले की पुलिस को दें।

– यूपी समेत कई राज्यों में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए विशेष पुलिस कंट्रोल रूम बनाए गए हैं।

– दंगा नियंत्रण टीमों, पीएएसी, रिजर्व पुलिस बल और अर्धसैनिकों बलों को भी अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

अयोध्या केस करीब 500 वर्ष पुराना है। 206 साल से इस केस में फैसले का इंतजार हो रहा है। 17 नवंबर को चीफ जस्टिस रंजन गोगोई को सेवानिवृत्त होना है। लिहाजा सुनवाई शुरू होने से पहले ही ये लगभग तय हो चुका था कि इस केस में चीफ जस्टिस के रिटायरमेंट से पहले फैसला आ जाएगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड समय में केस की सुनवाई पूरी की है।

व्हाट्सएप जासूसी कांडः शशि थरूर की अगुवाई वाली कमेटी करेगी चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली संसद की स्थायी समिति 20 नवम्बर को अपनी बैठक में 'व्हाट्सएप जासूसी मामले पर चर्चा करेगी। शशि थरूर सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने समिति के सदस्यों को भेजे पत्र में कहा है कि भारतीय नागरिकों की जासूसी के लिए प्रौद्योगिकी का कथित इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय है और 20 नवम्बर को समिति की अगली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। फेसबुक के स्वामित्व वाले 'व्हाट्सएप ने 31 अक्टूबर को भारत सरकार को सूचना दी थी कि भारतीय पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित कई भारतीय उपयोगकर्ताओं (यूजरों) की इजराइली स्पाईवेयर 'पेगासस द्वारा जासूसी की गई। लेकिन सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय ने दलील दी है कि उपलब्ध कराई गई सूचना अपर्याप्त है। सूत्रों ने बताया कि पत्र में थरूर ने समिति के सदस्यों से अपील की है कि एक प्रजातांत्रिक गणतंत्र होने के नाते हमें पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने होंगे ताकि किसी अनधिकृत तरीके या बाहरी उद्देश्य के लिए कार्यकापालिका की शक्तियों का दुरुपयोग न किया जा सके। उच्चतम न्यायायलय द्वारा निजता के मौलिक अधिकार को स्पष्ट रूप से मान्यता दिए जाने को रेखांकित करते हुए थरूर ने कहा कि इस अधिकार का उल्लंघन करने वाली किसी भी कार्रवाई की वैधता, यथार्थता और आवश्यकता का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति में सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष दोनों के सदस्य नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए मिलकर काम करें। सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसद की स्थायी समिति के अलावा गृह मामलों की समिति भी अपनी अगली बैठक में ''जासूसी के मामले को उठाएगी। व्हाट्सएप ने कहा था कि उसने इजराइली निगरानी कम्पनी 'एनएसओ ग्रुप के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है। इस ग्रुप का उस तकनीक विकसित करने में हाथ है जिसने बेनाम इकाइयों को 1,400 व्हाट्सएप उपयोगकर्ताओं के मोबाइल फोन हैक करने में मदद की। इन उपयोगकर्ताओं में राजनयिक, सरकार विरोधी नेताओं, पत्रकार और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने इन आरोपों पर व्हाट्सएप से एक रिपोर्ट मांगी है। व्हाट्सएप के दुनिया भर में 1.5 अरब यूजर हैं जिनमें भारत में 40 करोड़ हैं।

आईएफएस अधिकारियों ने की पुलिस के खिलाफ हिंसा की निंदा

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के बाद भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों ने तीस हजारी अदालत परिसर में पुलिस कर्मियों के खिलाफ हुई हिंसक घटना की निंदा की है। आईएफएस अधिकारियों ने तीस हजारी में पुलिस के खिलाफ हिंसा की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि इस घटना में शामिल दोषी वकीलों के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिसकर्मियों को न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आईपीएस संघ के साथियों को उनका पूरा समर्थन है। आईएएस संघ ने कल कहा था कि हम तीस हजारी कोर्ट में पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कायरतापूर्ण कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं। हम संकट के समय में उनके साथ खड़े हैं। इसी प्रकार आईपीएस एसोसिएशन ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा था कि दोषी वकीलों के लाइसेंस रद्द किए जाएं और अदालतों को सभी पक्षों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। यह टिप्पणी दिल्ली पुलिसकर्मियों के कल विरोध प्रदर्शन के बाद आई थी। गौरतलब है कि दो नवंबर को तीस हजारी अदालत परिसर और उसके बाद सोमवार को विभिन्न अदालतों के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की घटना से गुस्साये पुलिसकर्मियों ने कल दिनभर पुलिस मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया था।

आवश्यकता है

के.डी.न्यूज समाचार पत्र/पोर्टल हेतु ब्लाक संवाददाता, व तहसील संवाददाता की आवश्यकता है।

–सम्पादक
के.डी.न्यूज
मो. 9415739288, 9721748962

सम्पादकीय

मोबाइल हैकिंग के और भी हैं पहलू

व्हॉट्सएप के द्वारा भारतीयों पर किये गये हैक को समझने के लिए हमें कुछ चीजों पर गौर करना होगा। पहली, व्हॉट्सएप के स्वामी फेसबुक द्वारा इस हैक की दोषी कंपनी को अमेरिका की अदालत में ले जाया गया है। इस इस्राइली कंपनी का नाम 'एनएसओ ग्रुप' है, जिसने अपने प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को विश्वभर में 1,400 और संभवतः उससे भी अधिक मोबाइल फोनों को मिस्ड कॉल के जरिये हैक करने में समर्थ बनाया। यह घटना इसी वर्ष 29 अप्रैल से लेकर 10 मई के बीच हुई। यहां ध्यान रखने की अहम बात यह है कि एनएसओ ग्रुप की सभी उपयोगकर्ता विभिन्न देशों की सरकारें ही हैं। यह कंपनी कहती है कि 'हम सरकारों को सार्वजनिक सुरक्षा कायम रखने में मदद पहुंचाते हैं।' इसका दावा है कि इसने सरकारी एजेंसियों द्वारा स्थानीय तथा वैश्विक जोखिमों की पहचान तथा उनके निवारण में मदद के लिए सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी विकसित की है। इस कंपनी के उत्पाद सरकारी खुफिया एवं कानून–प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दहशतगर्दी तथा अपराधों के निवारण तथा तहकीकात में मदद करने के उद्देश्य से उन्हें कूटलेखन (एनक्रिप्शन) की चुनौतियों से निबटने में समर्थ बनाते हैं। एनएसओ प्रौद्योगिकी को दूरसंचार एवं खुफिया विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किया जाता है, जो अपने क्षेत्रों की अग्रिम पंक्तियों में स्थित होते हुए पल–पल बदलती साइबर दुनिया से परिचित रहने के प्रति समर्पित हैं।' दूसरी, भारत में इस हैक के शिकार बने लोग वे हैं, जिन्हें हमारी सरकार राष्ट्रद्रोही की संज्ञा देती है। उनमें भीमा–कोरेगांव मामले में गिरफ्तार लोगों के वकीलों सहित अल्पसंख्यकों तथा आदिवासियों के मुद्दों पर कार्य करनेवाले एक्टिविस्ट शामिल हैं। इनमें से कई व्यक्ति ऐसे हैं, जिन्हें मैं जानता हूं और जिनके साथ मैंने काम किया है। तीसरी, मोदी सरकार इससे इनकार नहीं करती कि उसने भी उक्त कंपनी का वह प्लेटफॉर्म हासिल किया है और अपने नागरिकों के फोन को हैक करते हुए उन पर खुफियागिरी की है। सूचना प्रौद्योगिकी के केंद्रीय मंत्री के एक बयान में कहा गया कि भारत ने व्हॉट्सएप से इस सेंधमारी की प्रकृति बताने के साथ ही यह भी पूछा है कि वह भारतीयों की निजता सुरक्षित रखने के लिए क्या कर रहा है। सरकार के लिए उचित यह होता कि वह इस मामले में शामिल होने से साफ इनकार करती। मगर चूंकि यह मामला अमेरिका की अदालत में है, जहां जजों तक आसानी से पहुंच नहीं बनायी जा सकती, इसलिए यह संभव है कि सरकार अपना यह विकल्प खुला रख रही हो कि वह कितनी सूचना उजागर कर सकती है। एनएसओ ने यह कहा कि उसके लिए यह बताना संभव नहीं है कि कौन उसके प्लेटफॉर्म का उपयोगकर्ता है और कौन नहीं। चौथी, भारत सरकार सूचना प्रौद्योगिकी से संबद्ध अपनी तहकीकातों में निजी कंपनियों का उपयोग किया करती है। पिछले वर्ष जब मेरे संगठन पर 'छापा' पड़ा था (मैं इस शब्द का इस्तेमाल एक उद्धरण के रूप में इसलिए कर रहा हूं कि हमारे विरुद्ध कोई आरोप अथवा शिकायत न तो कभी थी और न अभी है), तो हमारे सर्वर का क्लोन करने के लिए उसे एक निजी कंपनी से आये दो व्यक्तियों को दिया गया था। इस 'छापे' के दौरान मेरा मोबाइल फोन मुझसे ले लिया गया और मुझे उसे अनलॉक कर उन्हें सौंपने के लिए बाध्य किया गया। जब मैंने यह पूछा कि क्या यह कार्रवाई विधिसम्मत है, तो मुझे कोई उत्तर नहीं मिला। जब उसे मुझे वापस दिया गया, तो यह नहीं बताया गया कि उसके साथ क्या किया गया है। हाल के 'छापों' के दौरान भी यही सब हुआ, जिनमें नेटवर्क 18 के संस्थापक राघव बहल की कंपनी भी शामिल है। पांचवीं, अमेरिका के विपरीत, भारत सरकार द्वारा निगरानी किये जाने की प्रक्रिया का कोई न्यायिक पर्यवेक्षण नहीं होता। अमेरिका में टेलीफोन टेप को एक जज द्वारा प्राधिकृत करना जरूरी होता है। भारत में इसकी आवश्यकता नहीं होती। कुछ समय पहले, इंडियन एक्सप्रेस द्वारा सूचना के अधिकार के तहत दायर एक याचिका से यह उजागर हुआ कि केंद्रीय गृह सचिव प्रतिवर्ष 10 हजार यानी प्रतिदिन लगभग 30 लोगों के फोन टेप करने की अनुमति देता है, जिससे यह स्पष्ट है कि वह बगैर उनकी तफसील में गये ही ये सारी अनुमतियां दे रहा है। एक बार फिर अमेरिका के विपरीत, भारत में एकत्र की गयी सामग्रियों के अप्राधिकृत एवं अवैधानिक प्रकटीकरण हेतु कोई उत्तरदायित्व तय नहीं है। इसके लिए अधिकारियों अथवा मंत्रियों को दंडित नहीं किया जाता। छठी, इतने बड़े पैमाने पर एकत्र की गयी सामग्रियों के बावजूद, इनके नतीजे दोषसिद्धि (कन्विक्शन) तक नहीं पहुंच पाते। दहशतगर्दी के आरोप पर जो कानून लागू किये जाते हैं, उनमें भी दोषसिद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत ही है, 99 प्रतिशत मामलों में सरकार आरोप सिद्ध करने में विफल रहती है या आरोपितों पर गलत आरोपों की बात जाहिर होती है। इस विफलता में गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए, जिसके अंतर्गत भीमा–कोरेगांव एक्टिविस्टों को आरोपी बनाया गया) भी शामिल है। सरकार में इस विफलता अथवा दुरुपयोग के लिए कोई भी उत्तरदायित्व नहीं है। यही वह पृष्ठभूमि है, जिसे इस बात पर विचार करते वक्त हमें जानना चाहिए कि किसी ऐसे निकाय ने एक इस्राइली कंपनी को भारतीय नागरिकों के फोन हैक करने के लिए भुगतान किया, जिसके कार्य को भारत सरकार द्वारा अनुमति नहीं मिली है। साधारणतः भारत में ऐसे मामले किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाते, क्योंकि मीडिया की रुचि कुछ समय बाद मृत हो जाती है और सरकार को कभी जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता।

आपकी धार कहां है

अंकित ''राधे''

लोहे की धार होती है लेकिन कहीं बाहर नहीं बल्कि लोहे की भीतर ही। उस धार को पहचानना पड़ता है। उसी तरह हर आदमी में भी जीवन की धार होती है, लोक कल्याण का जज्बा होता है। किसी की धार कहां है उसे खोजना पड़ता है। अरुण कमल की कविता अचानक याद हो आई श्अपना क्या है इस जीवन मेंध्सब कुछ लिया उधार, सारा लोहा उन लोगों का,अपनी केवल धार।श आम आदमी के पास लोहा नहीं है तो केवल उनकी धार। धार ही उन्हें जीवन जीने का हौसला देती है जब लोग स्वार्थ की लीलाओं में घिरे हों। अनाप–शनाप कर रहे हो। उनका वास्तव या उनका यथार्थ देखा जाता है। उनका आचरण देखा जाता है और उनकी नैतिकता भी मुक्तिबोध का एक कथन जानने योग्य है। भारत की जनता हमेशा से बहुत गरीब रही है। यहां भूख, अकाल, महामारी के अलावा लगातार कष्ट के भयानक से भयानक उदाहरण हजारों लाखों की संख्या में प्रतिदिन मिलते हैं। आज तो हालत यह है कि मध्यवर्ग में सामान्य रूप से त्राहि–त्राहि मची हुई हैं। (मुक्तिबोध) यह टिप्पणी मुक्तिबोध ने एक लंबे अरसे पहले की थी। उसके विस्फोटक यथार्थ हमें अब भी निरंतर परेशान कर रहे हैं, मथ रहे हैं। आजादी के बाद चुनाव तो होते रहे– सरकारों ने हमारी जीवन पद्धतियों में यही विशेष फर्क किया कि भ्रष्टाचार की निरंतर आवाजाही भी हुई और बढ़ोतरी भी। सरकारें भ्रष्टाचार के अघोषित एजेण्डों में ही लगातार काम कर रही हैं। इस दौर में साठ–गांठ अंधेरगर्दी और जूतम पैजार के नित–नए रूप नई–नई सजधज के साथ सामने आते जा रहे हैं। सरकारें चाहे जितनी घोषणाएं करें, उनके आचरण में जनता की सुख–सुविधाओं के लिए लगभग कोई प्रयत्न नहीं होता। वहां केवल दिखावा पसर रहा है। फूहड़ता का बाजार सजा है। अपनी पार्टी के एजेण्डों को थोपने की विराट कार्रवाई भी धूम–धड़ाके के साथ चल रही है। सरकारों से जनता ने भ्रष्ट होने के नए–नए तरीके सीखे। भ्रष्टाचार बड़े नगरों कस्बों, महानगरों से सरकारें गांव तक पहुंच गईं। गांव के घर–घर में आदमी–आदमी में नई–नई वनकों एवं लीलाओं में उसे पहचाना जा सकता है। कोई क्षेत्र अब नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार की अब दहाड़ न हो। सरकारें न तो कभी आदर्श बन सकतीं। न राजनैतिक लोग। वे अपनी मनमानी चला रहे हैं। वे तो सत्ता का सुख भोगने के लिए नए–नए एजेण्डे लेकर सामने आएंगे। संभवतः कथनी करनी के इस विशाल अंतर को जनता ने बहुत ठीक तरीके समझा और वह भी भ्रष्टाचार की बहती गंगा में हाथ धो रही है। सड़कों, भवनों लोक निर्माण कार्यों में जिस तरह भ्रष्टाचार सार्वजनिक रूप से देखने में आता है उसकी लीलाओं की बहार है, चतुर्दिक साम्राज्य है। वह बेमिसाल है। टेण्डर खुलने से लेकर निर्माण प्रक्रिया तक जो धांधलेबाजी हो रही है, उसे क्या जनता नहीं समझती? सरकारें, प्रशासन और राजनीति महाझूठ के रास्ते पर चलेंगे। भ्रष्टाचार का तांडव करेंगे। और समझेंगे की जनता को खबर तक नहीं होगी। यह चोचलेबाजी नहीं है क्या? यह मुगालता नहीं है तो क्या? जिसके पिताजी तम्बाकू खाते हैं, बीड़ी, सिगरेट और शराब के नशे का इस्तेमाल करते हैं। वे अपने बाल–बच्चों को उनसे कैसे बचा सकते हैं। उनके पास कोई नैतिक बल नहीं है। हम भारत जैसे देश में बिना आदर्शो के बिना मॉडल के स्वच्छता के पिरामिड नहीं खड़ा कर सकते और जो ऐसा सोचते हैं, वे मक्कार, झूठे और फरेबी हैं। न खाऊंगा और न खाने दूंगा के नारे छलावे के अलावा क्या है? क्या ऐसी स्थितियों में अच्छे दिन की उम्मीदें की जा सकती हैं। झूठ की महिमा होती है और उसके पैंतरे भी। आजादी और जनतंत्र की लंबी यात्रा में हम निरंतर रक्तरंजित घायल और हीनतर हुए हैं। हम पेंचीदगियों, तरह–तरह की गधा पच्चीसियों के सामानांतर भी हैं। हम बदमाशी, बेईमानी, लफ्फाजी, और अराजकता से पूरी तरह सने हुए हैं। सत्ता में जब निरंतर झूठ का बोलबाला होता है। वादाखिलाफी के रूप सामने आते हैं और जनता निरंतर छली जाती है। तब कैसे किसी अच्छे मूल्यों की खोज की जाए? क्या चोरी, डाकेजनी, हत्या, लूटपाट और छल, छद्म के रास्ते पर सत्ताएं चलें और देश की जनता से उम्मीद करें कि वे हरिश्चन्द्र बन जाए। ये क्या है? नदियों, नालों, सड़कों को गंदगियों से लबालब भर दिया गया है। और सामान्य जनता से उम्मीद करेंगे कि वह साफ–स्वच्छ रहेगी। अब तो देशभक्ति के मायने बदले जा रहे हैं जो सत्ता की आरती उतारे वह देशभक्त। हम अपने नौनिहालों को उनके चरित्र को कैसे धो पोंछकर चमका सकते हैं। यह आकाश कुसुम नहीं है तो और क्या है? शिक्षा संस्थानों में नैतिकताओं के पाठयक्रम चलाइये और साक्षात बदमाशियों व अनैतिकताओं के रूपक खड़े कर दीजिए इससे स्वच्छता आ जायेगी।जब देश में अनैतिकता की बहार हो विज्ञापनों की धुआंधार बल्लेबाजी हो, तरक्की के कारोबार हो, भ्रष्टाचार की सनसनाहट हो, अन्याय, अत्याचार की धुंध हो, साम्प्रदायिकता का जंगी नजारा हो तो देश में कैसे जनतंत्र बचाया जा सकता है? हमारा देश एक तरह का उन्माद और धार्मिक जकड़बंदी झेल रहा है। इस का कार्य राजनीति के हाथों में हैं और वह एक भयावह जाल बुन रही है। सर्वनाश के काली घटाओं ने सारे गणित बिगाड़ दिए हैं। शिलान्यास उद्घाटन और तथाकथित समारोहों में पानी की तरह अकूत धन बहाया जा रहा हो तो क्या मात्र ज्ञान छांटने से बराबरी आ सकती है। योजनाओं के नाम पर अखंड लूट हो, आतंक का गर्जन–तर्जन हो तथा शोषण के तूफान हो। दुर्भाग्य यह है कि सत्ता ने स्वार्थो का महारास तरह–तरह से रस दिया है और भांति–भांति की चालें वह चल रही है। फेक न्यूजों से समूचा भारत भर गया है। तब क्या सत्य के किसी चिंगारी के अस्तित्व के बारे में सोचा जा सकता है। हम अपने समकालीन जीवन और परिदृश्य को देखें। विसंगतियों, विडम्बनाओं, विरोघाभासों की निरंतर बढ़ती आवाजों को सुनें। आपको किस्म–किस्म के तमाम महाभारत गरजते दहाड़ते मिल जाएंगे। इस दौर में न कंसों की कमी है, न रावणों की। न जयचंदों की मीरजाफरों की। ये कंस और रावण पहले की अपेक्षा और अधिक क्रूर, और अधिक हिंसक हो गए हैं। हमारा सामना मर्चेन्ट आफ वेनिस से भी है आदमी का शोषण करने के लिए क्या–क्या तरीके फैल रहे हैं। उनकी बारीक चालें देखने की जरूरत है। आदमी को किस्तों में मारने की अनगिनत तकनीकें सत्ताओं ने निजात कर लिए हैं। समाज और राष्ट्र निरंतर टुकड़े–टुकड़े हो रहा है उसे बार–बार मारा और काटा जा रहा है। समाज, सभ्यता और संस्कृतिक के निरंतर बाजे बजाने वालों की असली राजनीति अंततोगत्वा तबाही का तो शंखनाद है। सत्ता अपने स्थायी मंशाओं की चौखट में है। हिंदुत्व की आड़ में देश का जनतंत्र आजादी और मानवीय मूल्यों को खत्म किया जा रहा है हमारी संस्कृति में पालित–पोषित मूल्य निरंतर खतरे में है। हमारे देश का नागरिक जातिगत बंटवारे में नहीं रहता। न धर्म की सांप सीढ़ियों वाले खेल में, न वेश–भूषाओं के जंगल में। जनता से कोई बात छिप नहीं सकती। पिछले दिनों मेरी मुलाकात एक तरुण से हुई। क्या उसका कहना सही नहीं था कि हमारे यहां आदर्शों का भारी अकाल है। तरुणाई के सामने कोई मॉडल या आदर्श नहीं है। सत्ता में काबिज हर तरह के बेशर्मी भरा खेल खेल रहे हैं। सत्ता प्राप्ति के लिए वे कुछ भी कर रहे हैं। आखिर बिना मॉडल के तरुण किस रास्ते से जाए। हां यह सही है कि मॉडल या आदर्श तत्व बहुत कम है। लेकिन वे हैं अवश्य। लेकिन दाल में नमक के बराबर भी नहीं। उन्हें आसानी से ढूंढा नहीं जा सकता। युवक का कहना था कि राजनीतिज्ञों की लफ्फाजी, झूठ के फूले हुए गुब्बारे, वादाखिलाफी तथा कथनी करनी के भयावह अंतर से हम आजिज आ चुके हैं। आलम यह है कि जहां तक नजर जाती है। बौनों, कुबड़ों, स्वार्थियों, ढिंढोरा पीटने वालों और बलात्कारियों से ही हमारा सामना होता है और ये तत्व समाज को निरंतर तोड़ रहे हैं। स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व शब्द किताबों की शोभा बन कर रह गए हैं। कालाधन, भ्रष्टाचार, और खराब भाषा पूरे देश में छुट्टा सांड की तरह घूम रही हैं। देश में अनैतिकताओं का मेला लगा है। हमारी पूरी आर्थिक संरचना लकवाग्रस्त है इसलिए जो आर्थिक रूप से मजबूत हैं वे निरंतर ऊंचे–ऊंचे पहुंच रहा है और जो आर्थिक रूप से पिछड़ गया वह गरीबी के छहले में लगातार गिर रहा है। जनता तो हायतौबा के लिए ही बनी है। कभी उसकी फजीहत धर्म करता है। कभी जाति, कभी भाषा, और कभी क्षेत्रीयता। जब से ये नए हुकमरान आए हैं ये जनता को जगह–जगह से बांट रहे हैं। हमारे देश की शांति, सद्भाव और सहभागिता को बार–बार नष्ट कर रहे हैं। देश का मतदाता शासन में है। इस दौर के प्रसिद्ध कवि नरेश सक्सेना लिखते हैं– इतिहास के बहुत से भ्रमों में सेध्एक यह भी है,के महमूद गजनवी लौट गया थाध लौटा नहीं था वहध यहीं था, सैकड़ों वर्ष बाद अचानकध्वह प्रकट हुआ था अयोध या में,सोमनाथ में उसने किया था, अल्लाह का काम तमामध इस बार उसका नारा था, जय श्रीराम। क्या यह कम खतरनाक नहीं हैं कि जो राम हमारे कण–कण में है, हमारी सांसों में है, हमारे मूल्यों में हैं। हम किसी को संबोधित करते हैं जय रामजी की! ये समूचे समीकरण खत्म किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी न किया जाए

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सभी पत्रकारों से वार्ता कर अवगत कराया कि अयोध्या प्रकरण में आने वाले फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी न किया जाए।और किसी आपत्तिजनक संदेश को वायरन न किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने बताया गया कि सोशल मीडिया पर लगातार नजर रखी जा रही है इसलिये सोशल मीडिया में अयोध्या मामले को लेकर की जाने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों को लाइक व शेयर करने के अलावा किसी भी प्रकार का कमेंट करने से परहेज करे।

छेड़छाड़ की शिकार पीड़िता ने छोड़ा घर

सुलतानपुर। देहात कोतवाली के एक गांव में छेड़छाड़ की शिकार विधवा ने दबंग आरोपित व उसके परिवारजनों की धमकियों के डर से घर छोड़ दिया है। घटना के दिन से वह कई दिनों तक पुलिस की दहलीज पर कार्रवाई के लिए चक्कर काटती रही, लेकिन पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी और जांच के बाद केस दर्ज करने की बात कहकर टालमटोल करती रही। पीड़िता की तकलीफ मीडिया तक पहुंची तो किसी दबाव में आकर मामला तो दर्ज कर लिया, लेकिन घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी आरोपित को गिरफ्तार नहीं की। इधर छेड़खानी करने वालों की ओर से धमकी मिलने पर वह घर छोड़ने पर मजबूर हो गई। शुक्रवार की रात पीड़िता करीब साढ़े आठ बजे कुत्ते को रोटी देने के लिए निकली थी। इसी दौरान गांव का ही राकेश बनवासी आया और उन्हें जबरन खींचकर अहाते में लेकर चला गया। आरोप है कि उसने महिला को गिरा दिया और जबरदस्ती करने लगा। शोर मचाने पर आरोपित भाग निकला। आरंभ में कई दिनों तक पुलिस पीड़िता को पहले जांच का हवाला देकर मुकदमा दर्ज करने से कतराती रही। पीड़िता के परिवारजनों ने बताया कि सोमवार को कोतवाली देहात के पुलिसकर्मी आए थे। स्थलीय जांच और लोगों का बयान दर्जकर वापस चले गए। आरोपित की गिरफ्तारी की बात पर पुलिसकर्मियों ने चुप्पी साध ली। क्षेत्राधिकारी लंभुआ विजयमल यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला पर हमला, फोड़ा सिर

सुलतानपुर। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है। सोमवार को कोतवाली नगर के लखनऊ नाका स्थित एक ध र्मशाला में रहने वाली नीतू सिंह नामक महिला पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घायल महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़िता का कहना है कि कुछ लोग उसे काफी समय से धमकी दे रहे थे। पहले भी उस पर हमले की कोशिश की जा चुकी है, लेकिन आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जिलाधिकारी ने 225 दिव्यांगजनों को दिलाया दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान

सुलतानपुर। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने वित्तीय वर्ष 2019–20 में शासन द्वारा संचालित दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान योजना के द्वितीय चरण में 225 दिव्यांगजनों को नवीन दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान योजना का लाभ दिलाया है। उन्होंने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को योजना से वंचित दिव्यांगजनों को चिन्हांकित कर भरण–पोषण अनुदान योजना का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिये।

बकाया न जमा करने पर अचल सम्पत्ति होगी निलाम

सुलतानपुर। तहसीलदार सदर ने बताया कि कुटुम्ब न्यायालय के न्यायालय जुर्माना वाद संख्या–322ध्2013 कान्ती देवी बनाम दीपक कुमार, वाकीदार दीपक कुमार सुत सरजू प्रसाद, निवासी डोमनपुर तहसील सदर के बकाया धनराशि दो लाख पैतीस हजार के सम्बन्ध में वाकीदार की अचल सम्पत्ति ग्राम डोमनपुर तहसील सदर के गाटा संख्या–834, गाटा संख्या–1291 में निर्धारित भूमि की नीलामी नायब तहसीदार नगर के न्यायालय में 19 नवम्बर को अपरान्ह 02 बजे होगी।

जेम पोर्टल के माध्यम से होगी कम्बल क्रय की प्रक्रिया

सुलतानपुर। सीतलहरी के दौरान निराश्रित,असहाय लोगों को राहत पहुंचाने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से कम्बल क्रय किये जाने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। अपर जिलाधिकारी(वि0,रा0) उमाकान्त त्रिपाठी ने बताया कि जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक पॉच सदस्यीय क्रय समिति का गठन किया गया है, जो कम्बलों की अपूर्ति हेतु एक गुणवत्ता परक तंत्र विकसित करेगी तथा जेम पोर्टल के माध्यम से कम्बल क्रय किये जाने के सम्बन्ध में समिति की संस्तुति के अनुसार समस्त कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। जनपद की पॉच तहसीलों में कम्बलों की अपूर्ति के लिये जेम पोर्टल से क्रय किये जाने हेतु पोर्टल पर रजिस्टर्ड एवं शासन द्वारा अधिकृत संस्थाओं को नियम व शर्तो सहित 07 नवम्बर तक प्रतिभाग हेतु आमंत्रित किया गया है।

जन शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें : जिलाधिकारी

सुलतानपुर। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने जनपद के सभी नोडल अधि ाकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली जन शिकायतों का निराकरण समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से करना सुनिश्चित करें, ताकि शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत के लिये बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधि ाकारी के खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

प्राथमिक शिक्षा सुधार के बड़े सपने को साकार करने में शिक्षकों का महत्वपूर्ण रोल होगा : रामचन्द्र मिश्रा, उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र

सुलतानपुर। बेसिक शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के लिए सुलतानपुर माडल की चर्चा पूरे देश में हो इसी नेक उद्देश्य का संकल्प लेकर 200 प्राथमिक विद्यालय को गोद लेने का आह्वान जिले के समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं एवं समाज के प्रबुद्धजनों से किया।अब प्राथमिक शिक्षा सुधार के बड़े सपने को साकार करने में गोद लिए गये प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण रोल होगा। यह बाते बतौर मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष राम चन्द्र मिश्र ने शहर के क्षत्रिय सभागार में गोद लिए गये प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को संबोधित करते हुए कही।उन्होंने कहा कि आज बताते हुए मुझे खुशी की अनुभूति हो रही है कि जो पहल मैंने 2 साल पहले अपनें गांव पुरे लेदई के जर्जर प्राथमिक विद्यालय को गोद लेकर शुरू की थी वह आज माडल विद्यालय के रूप में विकसित होकर पूरे प्रदेश में जिले का नाम रोशन कर रही है। उन्होने बताया कि मेरे 200 विद्यालय गोद लेने के संकल्प पर जिले के जिम्मेदारों ने आगे आकर 211 प्राथमिक विद्यालय को गोद लेकर उसे माडल विद्यालय के रूप में विकसित करने का संकल्प पत्र भरा है। प्राथमिक शिक्षा को विकसित आधारभूत ढांचे के साथ सर्वोत्तम शैक्षिक गुणवत्ता पर पहुँचाने के लिए की गयी पहल आप शिक्षकों की मदद से ही देश के लिए मिसाल बनेंगी। श्री मिश्रा ने कहा प्राथमिक शिक्षा सुधार के बड़े सपने को साकार करने में शिक्षकों का महत्वपूर्ण रोल होगा। इसके साथ समाज को भी सकारात्मक पहल करनी होगी। शिक्षा सुधार को जन आन्दोलन के रूप में खड़ा करना होगा। उन्होने बताया कि महामहिम राज्यपाल महोदया 13 नवम्बर को जिले के पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी संकल्प धारी संस्थाओं व्यक्तियों व गोद लिए गये प्राथमिक विद्यालय के प्रध ाानाध्यापकों को संबोधित करेंगी। भाजपा जिला अध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू एवं वरिष्ठ साहित्यकार कमल नयन पांडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष रामचंद्र ने जिले के जर्जर 211 प्राथमिक विद्यालय को कायाकल्प कराने का जो संकल्प लिया है।यह एक अनूठी पहल है। और एक ऐसा अभियान है जो प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पूरे देश में मिसाल बनेंगी। सुलतानपुर जनपद प्राथमिक शिक्षा को कायाकल्प करने के क्षेत्र में देश का मार्गदर्शक जनपद बनेगा। भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि ने बताया कि क्षत्रिय सभागार में गोद लिए गये प्राथमिक विद्यालयों के हेड मास्टर्स की बैठक को प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी रविन्द्र वर्मा, बेसिक शिक्षा के प्रशिक्षण संयोजक डा0 शरद सिंह एवं रणधीर सिंह ने भी संबोधित किया। और कहा कि बेसिक शिक्षा में शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने की जो अनोखी पहल काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष राम चन्द्र मिश्र ने शुरू की है उसमें बेसिक शिक्षा विभाग का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रकाश द्विवेदी ने किया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू, जिला उपाध यक्ष सुशील त्रिपाठी, दिनेश दूबे, जिला मंत्री पूजा कसौधन, भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, पंकज दूबे, दिनेश चौरसिया, अंकुर सिंह, मालती सिंह, सुशील पांडे सहित गोद लिए गये प्राथमिक विद्यालय के सैकड़ो हेडमास्टर उपस्थित रहे।

वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव ने की जन कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा

सुलतानपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से जन कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलाधिकारी व सम्बन्धित अधिकारी सर्दी के दृष्टिगत रैन बसेरों का इंतजाम पूर्व से करना सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति खुले में विशेष तौर पर सड़क के किनारे न सोये तथा अलाव जलाते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखा जाये कि उसमें कूड़ा अथवा पॉलीथीन न जलने पाये। कोई भी किसान अपने खेतों में फसल का अवशेष न जलाने पाये। सड़कों के किनारे मिट्टी के ढेर न लगने पाये साथ ही कार्यदायी संस्था मिट्टी के कार्य स्थल पर जल का छिड़काव कराती रहे। विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं को स्वेटर की उपलब्धता शीघ्र करायी जाये। दुकानदार मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय न कर सकें तथा खाद्य सामग्री का नियमित रूप से नमूना लेकर तद्नुसार कार्यवाही अमल में लायी जाये। निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में रह रहे गोवंशों पर विशेष ध यान रखा जाये। मच्छर जनित बीमारियों से बचाव हेतु फागिंग करायी जाये तथा जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाये। आई0जी0आर0एस0 के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाये। कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत शत–प्रतिशत पात्रों को आच्छादित किया जाये। विद्युत विभाग गलत बिलों को तत्काल संशोधित करें। इसके अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्वच्छ भारत मिशन नगरीय, प्लास्टिक पॉलीथीन पर प्रतिबन्ध, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की प्रगति, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, उ0प्र0 शहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के वसूली आदि बिन्दुओं की भी विस्तार से समीक्षा की गयी। वीडियो कान्फ्रेसिंग में सम्बन्धित विभागों के प्रमुख सचिव आदि उपस्थित रहे।

गोली से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

सुलतानपुर। थाना क्षेत्र के बिलवाई चौकी के तहत बरामदपुर ग्राम सभा में लूट का विरोध करने पर बदमाशों की गोली से घायल मनीराम यादव (56) पुत्र स्वर्गीय सालिकराम की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपितों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इससे जिले की कानून व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। शुक्रवार की शाम मनीराम सड़क किनारे साइकिल खड़ी कर नित्यक्रिया कर रहे थे। इसी दौरान वहां पहुंचे कुछ युवक मनीराम से मोबाइल व पैसा छीनने लगे। विरोध करने पर असलहों से लैश बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। लहूलुहान मनीराम को अंबेडकरनगर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान सोमवार को उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी बेंचु सिंह यादव ने बताया हत्या के प्रयास का मुकदमे को परिवर्तित कर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। आरोपितों की तलाश के लिए जगह–जगह छापेमारी की जा रही है।

पराली जलाने पर किसानों पर लगेगा अर्थदण्ड

सुलतानपुर। जिलाधिकारी सी0 इन्दुमती ने कहा कि खेतों में पराली जलाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले किसान को जुर्माना देना पड़ेगा, यह जुर्माना जमीन के क्षेत्रफल के आधार पर लगेगा तथा एक बार से अधिक बार पराली जलाते पाये जाने पर अर्थदण्ड के साथ कारावास की कार्यवाही भी की जा सकती है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसीलवार टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिसमें सम्बन्धित खण्ड विकास अधि ाकारी तथा सहायक विकास अधिकारी(कृषि) को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। यह समिति फसल अवशेष जलाये जाने की निगरानी करेगी तथा फसल अवशेष जलाये जाने की पुष्टि होने पर सम्बन्धित तहसीलदार, नायब तहसीलदार द्वारा वसूली की प्रक्रिया सम्पन्न करायी जायेगी। फसल अवशेष जलाने पर जुर्माना राशि की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि 02 एकड़ से कम पर दो हजार पॉच सौ रूपये, 2 से 5 एकड़ पर पॉच हजार रूपये तथा 5 एकड़ से अधिक पर पन्द्रह हजार रूपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि फसल का अवशेष जलाने पर रासायनिक क्रियाओं से पर्यावरण को बहुत तेजी से नुकसान पहुंचता है। अतः कृषक भाई फसल के अवशेष खेतों में न जलायें।

पाप रूपी पहाड़ों से घिस कर धर्म रूपी रस्सी कहीं कट न जाय उसकी रक्षा करो : महामंडलेश्वर

सुल्तानपुर। शिवपुर सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में कलयुग द्वारा महाराज युधिष्ठिर के चारों भाइयों को अपने कैद में लेने के बाद कलयुग ने चारों भाइयों को रिहा करने के एवज में महाराज युधिष्ठिर से अपने प्रश्नों का जवाब मांग रहा है। उस लीला पर मुंबई से पधारे ष्कथा व्यास आचार्य अनंत विभूषित परमहंस भागवत मर्मज्ञ महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी आत्मानंद सरस्वती जी महाराजष ने प्रवचन के दौरान विस्तृत वर्णन किया। भदैया विकासखंड के शिवपुर गांव में श्री राम समुझ सिंह के यहां चार धाम की यात्रा के उपरांत आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सप्त दिवसीय आयोजन किया गया जिसमें महामंडलेश्वर महाराज जी ने कथा श्रोताओं को बताया कि कलियुग की पहाड़ जैसी उम्र में सिर्फ 5500 वर्ष ही बीतें हैं। चार लाख 36 हजार वर्ष बाकी है अभी तो कलयुग बकैयां चल रहा है ठीक से खड़ा भी नहीं हुआ है। महामंडलेश्वर सरस्वती जी ने कलयुग द्वारा महाराज युधिष्ठिर से एक एक प्रश्न पर जोरदार प्रकाश डालते हुए भागवत प्रेमियों को कथा का रसपान कराया! इस संसार के पाप रूपी पहाड़ों से कहीं धर्म की रस्सी कट ना जाए इस धर्म की रक्षा करो एक बाप चार बेटों का पेट कर देगा मगर चार बेटे मिलकर एक बाप का पेट नहीं भर पाएंगे क्योंकि कलयुग है! एक कुआं चार कुआं पानी भर देगा लेकिन 4 कुआं मिलकर एक कुआं नहीं भर पाएगा क्योंकि कलयुग है! गाय को बछिया का दूध पीने को मजबूर होना पड़ जाएगा क्योंकि कलयुग है! हर मां बाप को बेटी का घर देखने को मजबूर हो जाना पड़ेगा क्योंकि तू तो कलयुग है! इस तरह कलयुग अपने प्रश्न उत्तरों का जवाब पाकर महाराज युधिष्ठिर के चारों भाई अर्जुन भीम नकुल सहदेव को अपनी कैद से रिहा करता है। इसी कड़ी में प्रवचन बदस्तूर जारी रखते हुए महाराज जी ने इस कलयुग की बहू और बेटी में फर्क बताते हुए कथा सुनाई! आजकल की बहुओं को अपने सास ससुर का कपड़ा धोते वक्त गंध का अहसास होता है परंतु बेटियां जब उसी कपड़े को धोती है तो उनको चंदन का एहसास होता है, बहूएं प्रदेश में होने पर सास ससुर के दुख दर्द में सुविधा भिजवाती हैं परन्तु बेटियां उस वक्त सुविधा साथ लेकर आती हैं। वही राम जन्मोत्सव के दौरान कथा प्रवचन में सरस्वती जी महाराज ने बताया कि एक करोड़ कन्यादान करने के बराबर भगवान शिव को एक बेलपत्र चढ़ाने के बराबर होता है। उस वक्त कथा श्रवण के दौरान मुख्य यजमान श्री रामसमुझ सिंह व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला सिंह के साथ उनके उत्तरापेक्षी– राजबली सिंह, बजरंग बहादुर सिंह, वीर बहादुर सिंह, कमलभान सिंह, दीपक सिंह, दिलीप सिंह। स्वागत आकांक्षी– घनश्याम सिंह, भगवती सिंह, अद्याप्रसाद सिंह, ध्रुव सिंह, संतोष सिंह के साथ परिवार के अमन सिंह,अमरेंद्र सिंह, अविरल सिंह, वेदांत सिंह, खुशी सिंह,पूनम सिंह,दिव्या सिंह,तनु सिंह, वैष्णवी सिंह, श्रद्धा सिंह, देवांश सिंह, शिवांश सिंह,वंशिका सिंह, शगुन सिंह और और क्षेत्रीय संभ्रांत जनों में माताप्रसाद तिवारी, पारसनाथ सिंह, जयसिंह माध ाव पुर,नरेंद्र सिंह सौराई, गयाप्रसाद सिंह, शिव कुमार सिंह, रमाशंकर पांडेय, विजय पांडेय, सत्य देव पांडेय, संतोष सिंह, रमाशंकर उपाध्याय, जगदीश तिवारी नौबस्ता, चन्द्रभान सिंह, रंजीत सिंह गुपसार, लालजी तिवारी समेत सैकड़ों श्रीमद् भागवत कथाभक्त कथा श्रवण में उपस्थित हो मदमस्त रहे।

मांगे न पूरी होने पर लेखपालों ने किया बस्ता वापस

सुल्तानपुर। वेतन उच्चीकरण, पेंशन विसंगति, प्रोन्नत, भत्ता आदि कई मांगों को लेकर अर्से से आंदोलनरत लेखपालों ने मंगलवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर अतिरिक्त प्रभार वाले क्षेत्रों का बस्ता वापस कर दिया। इन इलाकों से आने वाले फरियादियों की शिकायतें भी निस्तारित नहीं हो सकीं। इससे लोगों की समस्याओं का समाधान निकालने का मामला अधर में लटक गया।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले जिले की सभी तहसीलों में लेखपालों ने प्रदर्शन किया। 472 लेखपालों में से 351 मौजूदा वक्त में कार्यरत हैं। 47 लेखपाल संबद्ध किए गए हैं। 94 लेखपालों को अतिरिक्त इलाकों का प्रभार दिया गया है। मंगलवार को 101 बस्ते लेखपालों ने कादीपुर, जयसिंहपुर, बल्दीराय, लम्भुआ व सदर तहसील में जमा करा दिया। संगठन के जिला मंत्री राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक प्रदेश नेतृत्व के तय कार्यक्रम के अनुसार आंदोलन को चलाया जा रहा है। लेखपालों द्वारा बस्ता जमा करने पर आए जाति, निवास, आरटीजीएस सहित अन्य जरूरी कार्यों का निष्पादन अब नहीं हो सकेगा। शासन को उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए। जयसिंहपुर संसू के अनुसार, मुख्यालय पर लेखपालों ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमाकांत त्रिपाठी की मौजूदगी में तीस बस्ते वापस किए और अतिरिक्त कार्य करने से मना कर दिया।

समाधान दिवस पर निभाई गई औपचारिकता

संपूर्ण समाधान दिवस पर समस्याओं के निस्तारण को लेकर अधिकारी गंभीर नहीं नजर आ रहे हैं। जिलाधिकारी सी इंदुमती के बाहर रहने पर प्रभारी जिलाधि ाकारी के रूप में सीडीओ आरपी मिश्र ने बल्दीराय में दिवस की अध्यक्षता की। अधिकारी लेटलतीफी से बाज नहीं आए। नतीजतन फरियादियों को समस्याओं के निस्तारण को लेकर इध र–उधर, भटकना पड़ा। कई तो वापस चले गए।

दो घंटे देरी से पहुंचे पुलिस अधीक्षक

बल्दीराय। पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार समाधान दिवस में दो घंटे की देरी से पहुंचे। फरियादी सुबह 10 बजे से ही उनका इंतजार करते रहे। कई तो निराश होकर लौट गए। बारह बजे पहुंचने के बाद एसपी एक ही घंटे में औपचारिकता पूरी कर वहां से निकल लिए। लिहाजा 138 शिकायतों में सिर्फ 12 का ही निस्तारण हो सका। वहीं सीडीओ ने समय के अंदर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया। जयसिंहपुर संसू के अनुसार 160 में से 15 शिकायतें ही निपटाई गईं। कादीपुर संसू के अनुसार, 265 के सापेक्ष 06 प्रकरण का निराकरण हुआ। वहीं सदर में 166 में से 12 शिकायतें निपटीं। समस्याओं का निराकरण एसडीएम रामजी लाल की अध्यक्षता में किया गया।

यातायात माह में जमकर उड़ रही नियमों की धज्जियां

सुल्तानपुर। यातायात माह शुरू हुए चार दिन बीत गए। नियमों को लेकर न पुलिस सतर्क हुई और न ही वाहन चालकों में जिम्मेदारियों का एहसास हो रहा है। लोगों में चालान व कार्रवाई का भय पैदा करने में नाकाम पुलिस की औपचारिकता से चालक संयमित होने की बजाय बेलगाम हो रहे हैं। रविवार को भी लोग यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते रहे।

बिना हेलमेट भर रहे फर्राटा

पिछले दिनों बिना हेल्मेट के पेट्रोल न देने की अपील भी पुलिस प्रशासन की सुस्ती की वजह से धराशायी हो गई। चालकों पर कार्रवाई का दावा करने वाली पुलिस के सामने ही लोग बिना हेलमेट फर्राटा भर रहे हैं। नाबालिगों के हाथ में वाहनों की स्टेयरिंग लोगों की जान पर किसी आफत से कम नहीं है। चालान के नाम पर मात्र औपचारिकता ही की जा रही है।

ट्रिपलिंग करने वालों की भी नहीं होती रोकटोक

बाइकों पर तीन–तीन लोग बैठकर हाईवे से लेकर तंग गलियों तक बेतहाशा फर्राटा भर रहे हैं। चार पहिया वाहन चालक भी बिना सीट बेल्ट के गंतव्य तक पहुंच रहे हैं। फोन पर बात करते हुए बाइक चालकों के जेहन से भी चालान व कार्रवाई का खौफ बिल्कुल गायब है। पुलिस, परिवहन विभाग की सड़क पर मौजूदगी भी न के बराबर है।

वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम चल रहे हैं। सीट बेल्ट न लगाने व हेलमेट नहीं पहनने वालों, ओवर स्पीडिंग, रेड लाइट जंप करने वालों व वाहन चलाते समय मोबाइल व ईयरफोन का प्रयोग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई भी की जा रही है।

हरीराम यादव, यातायात उप निरीक्षक

डेंगू की चपेट में जिला, स्वास्थ्य विभाग सुस्त

सुल्तानपुर। शहर से लेकर गांव तक मच्छरों की भरमार है। इससे डेंगू का डंक कहर ढाने लगा है। डेढ़ माह में इस बीमारी से अब तक पांच मौतें हो चुकी हैं। जबकि 24 से अधिक लोगों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। बावजूद महकमा लापरवाह बना हुआ है। नगर क्षेत्र में इस बार पालिका की ओर से फॉगिंग नहीं कराई जा रही है। मलेरिया विभाग भी प्रभावित इलाकों में एंटीलार्वा का छिड़काव नहीं कर रहा है। इससे अस्पतालों में डेंगू रोगियों की भरमार होती जा रही है।

शहर से लेकर गांव तक चपेट में

जयसिंहपुर, अखंडनगर, भदैंया, दूबेपुर और शहर के कृष्णा नगर में डेंगू पीड़ित पांच लोगों की गत दिनों इलाज के दौरान मौत हो गई। नगर क्षेत्र के गभड़िया, लखनऊ नाका, शास्त्रीनगर व विवेकनगर में बुखार पीड़ित कई लोगों की खून की जांच में डेंगू के प्राथमिक लक्षण मिले हैं। शहर के पंचरास्ता निवासी आकाश व अनुराग का इलाज निजी अस्पताल से चल रहा है। इसके अलावा जिला अस्पताल में रोजाना डेंगू के औसतन चार नए मरीज भर्ती किए जा रहे हैं।

कम पड़ रहे बेड

जिला अस्पताल में 10 बेड के आपदा वार्ड को डेंगू के मरीजों के लिए आरक्षित किया गया है। आलम यह है कि अन्य वार्डों में भी डेंगू के संदिग्धों को भर्ती करना पड़ रहा है। सहायता के लिए अस्पताल में बनाई गई हेल्प डेस्क भी निष्क्रिय है। इससे इलाज व जांच के लिए कुछ रोगियों को भटकना पड़ता है। सीएचसी–पीएचसी पर एंटीलार्वा व कीटनाशक दवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। ग्राम स्वच्छता समिति इसके छिड़काव का प्रबंध करती है। प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया निरीक्षकों को छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

–डॉ. सीबीएन त्रिपाठी, सीएमओ

कुएं में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के हाजी पट्टी गांव में बाजार गए युवक का शव कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने शव को देख इसकी सूचना पुलिस को दी। शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। इससे हत्या की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। पिछले दो दिन में लाश मिलने की यह दूसरी घटना है। मंगलवार को कोतवाली देहात के वजूपुर गांव में भी गोमती नदी से एक 25 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ था। हृदयराम (40) पुत्र ललई निवासी भवन का पुरवा धारूपुर मंगलवार को कूड़ धाम बाजार गए थे। देर रात तक जब वह नहीं लौटे तो घरवालों ने तलाश शुरू कर दी। कहीं पता नहीं चलने पर परिवारजनो ने मामले की तहरीर धम्मौर थाने में दी। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया। बुधवार की सुबह हाजी पट्टी गांव के बाहर ग्रामीणों ने भट्टे के पास कुएं में हृदयराम का शव देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। पास में ही एक साइकिल भी पड़ी थी। सूचना पाकर मृतक के परिवारजन भी पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। मृतक की जेब से मांस रखा हुआ एक पैकेट पाया गया, जिसे उसने बाजार से खरीदा था। मृतक के भतीजे राम बदन पुत्र पित्तर की तरफ से थाने में तहरीर दी गई है। थानाध्यक्ष शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। वह शराब का आदी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घास काटने गई महिला की करंट से मौत

सुल्तानपुर। थानाक्षेत्र के बेलहरी गांव में घास काटने गई महिला करंट की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवारजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दी है। सोना देवी (55) पत्नी देवमणि निषाद बेलहरी गांव में रहती थी। रविवार की सुबह वह घर के बगल स्थित खेत में घास काटने गई थी। इसी दौरान लटक रहे बिजली के तार के चपेट में आ गई। जिससे उनकी मौत हो गई। सुबह खेत गए एक किसान ने देखा तो इसकी जानकारी परिवारजनों की दी। मौके पर पहुंचे लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप : परिवारजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि काफी समय से यह तार लटक रहा था। सूचना देने के बाद भी तार को ऊपर नहीं किया गया। एसडीओ आरपी यादव ने खंभे से लाए गए केबल की चपेट में आने से सोना की मौत हुई है। थानाध्यक्ष रतन शर्मा ने बताया कि लिखित सूचना मिली है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

परिधि पर उमड़ा आस्था का ज्वार पोर–पोर तक व्याप्त

अयोध्या। मंगलवार को सुबह परिधि ा से होता हुआ आस्था का ज्वार बुधवार को सुबह 14कोसी परिक्रमा थमने के साथ रामनगरी की पोर–पोर तक में व्याप्त हुआ। अधिकांश श्रद्धालुओं ने मंगलवार की रात तक परिक्रमा पूरी कर ली थी पर ऐसे भी कम नहीं रहे, जिन्होंने बुधवार को मुहूर्त के आखिरी

चरण तक परिक्रमा पूरी की। मंगलवार को परिक्रमा पूरी करने वाले रात्रि विश्राम के साथ बुधवार को तरो–ताजा होकर निकले। अधिकांश ने सरयू की राह ली और पुण्यसलिला में डुबकी लगाने के बाद प्रमुख मंदिरों की ओर रुख किया।

..तो बुधवार की मध्य रात से सुबह तक परिक्रमा पूरी करने वाले निढाल थे। वे किसी तरह अपने ठौर की ओर लौटते दिखे। दिन चढ़ने के साथ रामनगरी की परिधि तो रिक्त हो गई पर आंतरिक मार्ग पट गए। रामजन्मभूमि, कनकभवन, हनुमानगढ़ी जैसे आस्था के प्रमुख केंद्रों पर तिल तक रखने की जगह नहीं थी। मणिरामदासजी की छावनी, दशरथमहल बड़ास्थान, रामवल्लभाकुंज, लक्ष्मणकिला आदि दर्जनों प्रमुख मंदिर आस्था की गहमा–गहमी में डूबे रहे। मध्याह्न मंदिरों कापट बंद होने के साथ श्रद्धालुओं ने पेट–पूजा की ओर ध्यान दिया। इसके बाद चंद घंटे विश्राम के नाम थे। युवा दिनेशलाल जैसे भी श्रद्धालु रहे, जो सुबह परिक्रमा पूरी करने के साथ बिस्तर पर पड़े तो पूरे 12 घंटे बाद उठे। उनकी मानें तो इस दौरान शारीरिक एवं मानसिक थकान भी दूर हुई। यह अकेले दिनेशलाल का ही नहीं तकरीबन सभी श्रद्धालुओं के रुख से बयां हुआ। वे दूसरी बेला में अपूर्व उल्लास के साथ मंदिरों की ओर आस्था निवेदित करने निकले। इस दौरान जगह–जगह कथा–प्रवचन और भजन–कीर्तन भी माहौल में चार–चांद लगाते रहे।

निषेधाज्ञा तोड़ अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। देश की राजधानी में दिल्ली पुलिस के प्रदर्शन पर अधिवक्ताओं ने भारी विरोध जताया है। बुधवार को यहां के अधिवक्ताओं ने स्वतः आकस्मिक बैठक बुलाई और निषेधाज्ञा तोड़ कर कचहरी व शहर में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। अचानक जुटी अधिवक्ताओं की भीड़ को देखते ही पुलिस के हाथ–पांव फूल गए। गनीमत रही कि प्रदर्शनकारी अधिवक्ता शांतिपूर्वक तरीके से सिविल लाइंस स्थित गांधी पार्क पहुंच कर लौट गए।

फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र उर्फ बब्लू, महामंत्री नवीन मिश्र व कार्यकारिणी सदस्य अखंड प्रताप यादव ने पत्रकार वार्ता कर दिल्ली पुलिस के प्रदर्शन को पुलिस रेगुलेशन एक्ट व सर्विस रूल का उल्लंघन बताया और कार्रवाई की मांग की।

अध्यक्ष ने बताया कि यूपी बार कौंसिल ने दिल्ली कांड को लेकर आठ नवंबर को न्यायिक कार्य से विरत रहने का लिया है। यह पत्र यहां भेजा गया। जिले के अधिवक्ता इसके समर्थन में कार्य से विरत रहेंगे। अधिवक्ताओं ने हड़ताल की, जिसका व्यापक असर रहा। परिक्रमा मेले में तमाम प्रतिबंधों के बावजूद कचहरी पहुंचे वादकारियों को निराश होकर उल्टे पांव लौटना पड़ा। अधिवक्ता वाइवी मिश्र ने आरोप लगाया दिल्ली पुलिस ने फर्जी तौर पर बनाए गए वीडियो अधिवक्ताओं को दोषी बता रही है, जबकि पुलिस ने बर्बरता दिखाई। उसके बारे में चुप्पी साध रखी है। सच्चाई छिपाई जा रही है। कैसर मेंहदी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सलीम नैय्यर व अन्य ने कहा कि ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी बगैर थाने की जीडी पर आमद के प्रदर्शन में भाग लिया, जो गंभीर मामला है। योगेंद्र त्रिपाठी, राजेंद्र प्रसाद पांडे, सुधाकर मिश्र, राजकपूर सिंह, सूर्यनारायण सिंह, सुशील चौबे, विपिन मिश्र, चंद्रबख्श दुबे व अन्य अधिवक्ताओं ने कहा कि दिल्ली पुलिस के प्रदर्शन के पीछे कुछ लोगों की शह है, जो जांच का विषय है। अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज कराने वाले पुलिस अधिकारियों को बचाया जा रहा है। अब तक दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

अयोध्या मामले में आने वाले फैसले को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की समीक्षा

गोण्डा। अयोध्या मामले में आने वाले फैसले को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कसरत तेज कर दी है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में अयोध्या प्रकरण में आगामी दिनों में उच्चतम न्यायालय के संभावित निर्णय को लेकर समस्त थानों के अपराध निरीक्षकों व वरिष्ठ उपनिरीक्षकों के साथ मीटिंग की। जिसमें एसपी अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की और निर्देशित किया गया कि सभी अपनेदृअपने क्षेत्रों के प्रतिष्ठित हिन्दु धर्म गुरुओं, महन्त, पुजारी, साधु, मुस्लिम धर्म गुरुओं, मौलवी, उलेमा, इमाम काजी आदि के साथ पीस कमेटी की मीटिंग करें तथा सभी सहभागियों से अपील करें। आगामी दिनों मे अयोध्या प्रकरण में उच्चतम न्यायालय का सम्भावित निर्णय चाहे जो भी हो, सभी के द्वारा सम्मान पूर्वक स्वीकार करना चाहिए, और समाज के सभी लोगों को जागरुक करके किसी भी प्रकार की अफवाह व झूठी भ्रामक खबरों से बचने की सलाह दिया जाए। यदि किसी व्यक्ति द्वारा समाज को कुप्रभावित किए जाने का कहीं प्रयास दृष्टिगत हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दी जाये। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर विद्वेशपूर्ण पोस्ट या व्हाट्सएप पर ऐसी कोई कार्यवाही से बचने की भी सलाह धर्मगुरुओं द्वारा समाज को दी जानी चाहिए। महोदय द्वारा समस्त संबंधित को निर्देशित किया गया कि धार्मिक स्थलों जैसे मन्दिर, मस्जिद व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर सतर्क दृष्टि रखी जाये। जिससे आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर नियंत्रण रखा जा सके। समस्त थानो पर दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ दंगा नियंत्रण पूर्वाभ्यास कराया जाये, समस्त थानाक्षेत्रों मे नियमित रुप से किये जाने वाले पैदल गश्त दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ सुसज्जित होकर करें जिससे जनता मे सुरक्षा की भावना बढ़ सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार तथा समस्त थानों के अपराध निरीक्षक व वरिष्ठ उपनिरीक्षक उपस्थित रहे।

महिला से छेड़खानी में तीन पर केस दर्ज

गोण्डा। विवाहिता के साथ छेड़छाड़ करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पीड़िता के सास की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव की है। यहां की निवासिनी ने थाने पर दर्ज कराई प्राथमिकी में कहा है कि सोमवार शाम 7.15 बजे वह अपनी बहू के साथ शौंच के लिए गन्ने के खेत में गयी थी। जहां पहले से ही छिपे बैठे उसी गांव के राम नरेश मिश्र, राम उदार मिश्र व महराजदीन उसकी बहू का हाथ पकड़कर खींच ले गये। और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे।

यह देख उसकी सास ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिस पर आरोपियों ने पीड़िता व उसकी सास को घर पर यह बात बताने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस ने उक्त चारों आरोपियों के विरुद्ध स्थानीय थाने में छेड़छाड़ करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि तीनों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है।

फीका रहा संपूर्ण समाधान दिवस

अयोध्या। जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा परिक्रमा तैयारी बैठक के चलते नहीं पहुंचे। सोहावल तहसील में जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन होना था। अन्य तहसीलों में भी प्रभारी पंहुचे। मुख्य राजस्व अधिकारी पीडी गुप्त एवं एसडीएम ज्योति सिंह ने 61 लोगों की शिकायतें सुन पांच का निस्तारण कराया। सोहावल में एक सामाजिक संस्था ने तहसील के सामने एक कॉलेज के खेल के मैदान की दुर्दशा और अवैध अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। सीआरओ ने जांच करा कार्रवाई के आदेश दिया। अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्र ने कसौधन समाज का जाति एवं आर्थिक आधार पर आरक्षण प्रमाणपत्र न बनाए जाने की जांच तहसीलदार सोहावल को सौंपी गई। सदर तहसील में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक आनंद एवं एसडीएम आयुष चौधरी ने 24 शिकायतें सुनीं। एक भी शिकायत निस्तारित नहीं हुई। बीकापुर संपूर्ण समाधान दिवस में आईं 43 शिकायतों में से दो का निस्तारण हो सका।

अवैध ई–टिकटिंग में युवक गिरफ्तार

गोण्डा। अवैध ई–टिकटिंग के मामले में आरपीएफ ने एक युवक को नवाबगंज थाना क्षेत्र के कस्बे से गिरफ्तार किया है। उसके पास से नकदी सहित कई उपकरण बरामद किए गए हैं। सोमवार की देर शाम प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर अतुल कुमार श्रीवास्तव व वरिष्ठ मंड़ल सुरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ अमित प्रकाश मिश्र के निर्देश पर आरपीएफ ने नवाबगंज के मुड्डीगंज में छापेमारी की।इसमें अर्पित गुप्ता पुत्र राम कुमार निवासी कस्बा मोहल्ला मुठीगंज पड़ाव को अवैध ई–टिकट में अंकित मूल्य से रेल यात्रियों द्वारा 500–700 रुपये अधिक लेने व अवैध रूप से व्यापार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मौके से एक लैपटॉप, प्रिंटर, 20 हजार 200 रुपये व दस टिकट जिसकी कीमत 13604 रुपये है, बरामद किया है। उक्त व्यक्ति ने बताया कि यह अवैध धंधा पूनम इलेक्ट्रिक कंपनी की दुकान नवाबगंज कस्बा घंटाघर से संचालित किया जा रहा था। प्रभारी निरीक्षक अमर नाथ के अनुसार अरोपी युवक रिंकू सिंह नामक युवक की मदद से अवैध टिकट का व्यापार करता था जिसकी तलाश जारी है।

कर्ज में डूबे किसान की हार्टअटैक से मौत

गोण्डा। जिल में पिछले कई सालों से खेत गिरवीं रख कर अपने परिवार का पालन–पोषण करने वाले एक किसान की मंगलवार सुबह करीब तीन बजे के आस–पास ह्रदयगति रुकने से मौत हो गई। विकास खंड परसपुर के चरहुआं गांव निवासी नरसिंह (50) की मौत हो गई। इनके पास खेती के अलावा और कोई व्यवसाय न होने से बच्चों की पढ़ाई लिखाई के साथ साथ अन्य खर्चो में अपना खेत गिरवी रख दिया करते थे। जिसके चलते कर्ज का बोझ काफी बढ़ चुका था। नरसिंह के परिवार में पत्नी चिंतामणि देवी,दो बेटियां रेनू व रश्मि, तथा दो बेटे अमरेन्द्र सिंह, तथा विनय सिंह, जिसमें बड़ी बेटी रेनू की शादी हो चुकी है। बाकी परिवार की पूरी जिम्मेदारी इनके ही भरोसे थी। नरसिंह की अचानक मौत के बाद अब इनके परिवार का कोई सहारा नहीं बचा है।

मोबाइल के तीन लाख की लूट का मुकदमा दर्ज

मुसाफिरखाना। दुकान बंद कर घर जा रहे मोबाइल व्यवसायी से कार सवार बदमाशों ने मोबाइल से भरा बैग लूट लिया था। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के मो. जाहिद निवासी जाखाशिवपुर मझेरिया की कस्बे के इसौली रोड स्थित मस्जिद के पास मोबाइल फ ोन की दुकान है। रविवार की देर रात वह दुकान बंद कर अपनी बाइक से कीमती मोबाइल फ ोन से भरा बैग लेकर घर जा रहा था। इसी बीच रास्ते में भनौली गाव के बड़ा इमामबाग के पास उसे पीछे से ओवरटेक कर कार सवार बदमाशों ने कनपटी पर तमंचा सटाकर उसका मोबाइल फ ोन से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने अनुसार बैग में दस से बीस हजार रुपये तक की कीमत के बीस मोबाइल फोन थे। इस बाबत कोतवाल अवधेश ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सेना में भर्ती होने को पांच हजार युवाओं ने लगाई दौड़

अमेठी। जिले के भादर विकास खंड क्षेत्र के रामगंज त्रिसुंडी स्थित सीआरपीएफ सेंटर में रविवार की देर रात दो बजे से सेना भर्ती रैली की शुरुआत हुई। रैली में पहले दिन सुलतानपुर जिले के पांच हजार 119 युवाओं ने सेना में भर्ती होने के लिए दौड़ लगाई। जिन्होंने दौड़ निकाली है उन सभी अभ्यर्थियों का शारीरिक व स्वास्थ्य परीक्षण सोमवार की देर शाम किया गया। सेना भर्ती रैली को लेकर पूरा प्रशासनिक अमला सीआरपीएफ सेंटर में कैंप किए हुए है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बिना पास के किसी को भी भर्ती स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं है। सेना भर्ती रैली में पहले दिन सुलतानपुर जिले के 7,640 युवाओं को शामिल होना था। इनमें 2241 जहां अनुपस्थित रहे वहीं 180 को शक्ति वर्धक दवा लेने के आरोप में जांच के बाद भर्ती मैदान से बाहर कर दिया गया। सेना भर्ती रैली के एआरओ कर्नल एनएस मान ने बताया कि भर्ती स्थल पर सभी व्यवस्था दुरूस्त है। अभ्यर्थी रात में ही भर्ती स्थल पर पहुंच रहे है। देर रात दौड़ कराया जा रहा है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूर्ण किया छठ व्रत

अमेठी। रविवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने छठ व्रत पूर्ण किया। महिलाओं ने भगवान सूर्य व छठी मइया से परिवार की सुख, शांति, समृद्धि के साथ पुत्र की लंबी आयु व तरक्की का आर्शीवाद मांगा। गौरीगंज के लोदी बाबा घाट पर सुबह से श्रद्धालु पहुंचने लगे। छठ मइया का व्रत रखी महिलाएं सिर पर पूजा सामाग्री लेकर घाट पहुंची। जहां पानी के बीच खड़े होकर सूर्योदय के साथ महिलाओं ने छठी मइया की विधि विधान से पूजन–अर्चन किया। इसके बाद उगते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान सूर्य की उपासना की। महिलाओं ने घाट की मिट्टी से बनाई गई छठ माता की मूर्ति का घाट में विसर्जन किया। घाट पर ही धार्मिक गीत गाते हुए श्रद्धालुओं ने छठ पूजा की सारी रस्में पूरी की। सुबह आठ बजे तक भक्ति का यह क्रम चलता रहा। घाट पर मौजूद युवाओं ने पटाखे फोड़ कर पर्व का जश्न मनाया। घाट पर गौरीगंज नगर पालिका प्रशासन की ओर से साफ–सफाई आदि की व्यवस्था कराई गई थी। घाट पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को जिला पंचायत सदस्य मुकेश प्रताप सिंह ने छठ पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी। वहीं छठ पूजा समापन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता दीपक सिंह पचेहरी व वार्ड नंबर 25 के सभासद रमेश यादव द्वारा श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण करवाया गया। इस मौके पर सतीश श्रीवास्तव, लेखपाल महेंद्र शुक्ला, डा.केडी सरोज, अरुण यादव, विक्रम सिंह, अजय दूबे, आशीष तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

चेकिग अभियान में लग्जरी वाहन रहे निशाने पर

रायबरेली। यातायात माह में नियमों के लिए जागरूक करने के साथ ही लापरवाह चालकों पर कार्रवाई की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। सोमवार को सिविल लाइंस में दो बार चेकिग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक सैकड़ा से ज्यादा वाहनों का चालान किया गया। साथ ही लापरवाह चालकों को सख्त हिदायत भी दी गई।

वाहन चेकिग अभियान में यातायात पुलिस का फोकस सीट बेल्ट, काली फिल्म और ड्राइविग के दौरान मोबाइल पर बात करने वालों पर रहा। 15 लग्जरी गाड़ियों से काली फिल्म हटाने के साथ ही प्रत्येक का 2500 रुपये का चालान काटा गया। बिना सीट बेल्ट लगाए ड्राइविग करने वाले 35 लोगों के चालान काटे गए। ड्राइविग लाइसेंस, हेलमेट और बेतरतीब गाड़ी चलाने वालों को भी निशाने पर लिया गया। लग्जरी वाहन पर सवार कुछ लोग यातायात पुलिस से उलझे भी मगर, उनकी एक न सुनी गई। चेकिग होते देख कई राहगीर रास्ता बदलकर

चुपचाप निकल गए। साथ ही अपने जानने वाले लोगों को भी इसकी जानकारी दे दी, ताकि वे भी नियम तोड़ते पकड़े न जाएं।

उप यातायात निरीक्षक प्रशांत सिंह भदौरिया ने बताया कि सुबह 11 से दो बजे तक चेकिग की गई। अब शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक अभियान चलाया जाएगा। जो भी नियम तोड़ेगा, उसका चालान किया जाएगा। बिना हेलमेट वाले बाइक सवारों को रविवार को हेलमेट देकर सुरक्षित यातायात के लिए जागरूक किया गया। आगे भी इस तरह के काम किए जाएंगे।

एमबीए पास बेरोजगार युवती ने लगाई फांसी

अमावां (रायबरेली)। मिल एरिया के बालापुर मुहल्ले में सोमवार सुबह एक युवती ने फांसी लगाकर खुदकशी कर ली। उसके कमरे में सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने बेरोजगारी और चेहरे पर निकले मुंहासे से परेशानी लिखा है। युवती के इस कृत्य से पूरा परिवार स्तब्ध है।

बालापुर निवासी रामदास शहर में ही निजी कंपनी नौकरी करते हैं। वह सुबह ड्यूटी पर गए थे। उनकी पत्नी रुक्मिणी की तबीयत नासाज थी, वह जिला अस्पताल चली गईं। घर पर बेटी नेहा अकेली थी। वह एमबीए पास थी और नौकरी के लिए प्रयासरत थी, सफलता नहीं मिल रही थी। कुछ दिन से उसके चेहरे पर मुंहासे भी निकल आए थे। जिसकी वजह से वह और परेशान रहती थी। इन्हीं बातों से वह अवसाद में चली गई और कमरे में पंखे पर दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। दोपहर में लगभग 12 बजे पड़ोस की एक महिला उसके घर पहुंची। उसी ने नेहा को दुपट्टे से लटकता देखा तो शोर मचाया। जिसके बाद सूचना उसके पिता को दी गई। रामदास घर पहुंचे तो बेटी का शव देख फफक पड़े। कुछ देर बाद नेहा की मां भी अस्पताल से लौटीं और बेटी को मृत देख सुधबुध खो बैठी।

सूचना पर मिल एरिया इंस्पेक्टर राजकुमार पांडेय पहुंचे। उन्होंने घरवालों से नेहा के आत्महत्या किए जाने के बाबत पूछताछ की। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। उन्होंने बताया कि चेहरे पर मुंहासे और बेरोजगारी के कारण से वह परेशान थी, ऐसा घरवालों ने बताया है। हम जांच कर रहे हैं।

..पापा आपको इस उम्र में दुख दे रहीं हूं

रायबरेली। 'मेरे चेहरे पर दाने हैं। जॉब भी नहीं मिलेगी..मैं खुद का बोझ तक नहीं उठा सकती। किसी पर बोझ नहीं बनना चाहती, इसलिए जान दे रही हूं। पापा आपको इस उम्र में दुख दे रहीं हूं। मैं अपनी मौत की जिम्मेदार खुद हूं।' नेहा ने एक कागज पर दस लाइनों में अपनी जिदगी की बेबसी लिख डाली। उसकी मृत्यु से परिवारजन सन्न हैं। पिता रामदास खुद नहीं समझ पा रहे हैं कि जिस बेटी को उन्होंने अपनी आर्थिक सीमा के बाहर जाकर पढ़ाया लिखाया, उसने ऐसा निर्णय कैसे कर लिया। मां बेसुध है। उसे कभी नहीं लगा कि उसकी बेटी ऐसा भी कर सकती है। नेहा पढ़ने में अच्छी थी। इसी नाते उसके लिए पिता ने शिक्षा का हर जतन किया। एमबीए के बाद उसने कई जगह नौकरी का प्रयास भी किया, मगर सफल नहीं हो सकी। इधर, चेहरे पर दाने निकल आए तो वह और भी अधीर हो गई। दाने और बेरोजगारी उसके आत्मविश्वास को कमजोर कर रहे थे। शायद इससे निजात का रास्ता उसे नहीं दिखा। जो सुसाइड नोट मिला है उसके शब्द हड़बड़ी में लिखे गए लगते हैं।

टेंपो ट्रक की टक्कर एक की मौत, दो गंभीर

अमेठी। गौरीगंज कोतवाली के सामने गुरुवार की सुबह ट्रक और टेंपो की भिड़ंत हो गई। इसमें टेंपो चालक की मौके पर मौत हो गई। दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

कोतवाली क्षेत्र के सुभावतपुर गांव निवासी विजय रैदास (22) गांव की ही अनारा देवी (40) व राजपती (38) के साथ छह बोरा गेहूं लादकर गौरीगंज बाजार में बेचने जा रहा था। सुबह रन फॉर यूनिटी के दौड़ के चलते सुलतानपुर–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन को रोका गया था। साढ़े नौ बजे के करीब जब यातायात बहाल हुआ तो टेंपो बाजार की ओर जा रहा था। डीएम आवास के पास टेंपो ट्रक से टकरा गया। ट्रक पर सरिया लदी होने के चलते वह उसमें फंस गया। प्रत्यक्षदर्शी की माने तो टेंपो ट्रक की सरिया में फंसकर लगभग बीस फिट तक घिसटता हुआ गया और कोतवाली के सामने जाकर पलट गया। इस दौरान टेंपो चालक ट्रक की चपेट में आ गया और हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसमें सवार दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई।

पीएफ घोटाले को लेकर उबाल, दफ्तरों में हुआ प्रदर्शन

रायबरेली। बिजली विभाग में हुए पीएफ घोटाले को लेकर यहां भी कर्मचारियों में आक्रोश है। बुधवार को शहर स्थित मंडल कार्यालय और जिले के सभी सातों वितरण खंडों में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए। हर जगह पीएफ की धनराशि की सुरक्षा को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग उठी। शहर में सिविल लाइंस स्थित विद्युत वितरण मंडल कार्यालय में उत्तर प्रदेश जूनियर इंजीनियर संगठन के जिलाध्यक्ष एसपी यादव की अगुवाई में अवर अभियंताओं ने सभा की। इसमें अभियंताओं ने घोटाले के दोषी अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। इस दौरान विरोध प्रदर्शन भी हुआ। इस दौरान उपाध्यक्ष शंभूनाथ, कैलाश यादव, हेमंत कुमार, युद्धवीर, जय प्रकाश आदि मौजूद रहे। वहीं वितरण खंड सलोन में बिजली मजदूर संगठन के जिला सचिव स्वप्निल गुप्ता के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नाराजगी जताई। जिला सचिव ने कहा कि एक साजिश के तहत कर्मचारियों के पीएफ का पैसा निजी कंपनी में लगाया गया है। जबकि इसे राष्ट्रीय कृत बैंक में सुरक्षित रखना चाहिए। इस मामले में जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पदाधिकारियों ने सरकार से मामले में श्वेत पत्र भी जारी करने की मांग उठाई। इस मौके पर बालकृष्ण, जेई मनोज कुमार, विजय कुमार, आदि मौजूद रहे। इसी तरह ऊंचाहार, डलमऊ, महराजगंज आदि वितरण खंडों में भी विरोध प्रदर्शन हुआ।

IPL टीमों की उम्मीद रही नाकाम, विदेश में खेलने का प्रस्ताव IPL GC ने किया खारिज

मुंबई/नयी दिल्ली। आईपीएल की संचालन परिषद ने कई फ्रेंचाइजी टीमों का विदेश में दोस्ताना मैच या मिनी आईपीएल कराने का प्रस्ताव खारिज कर दिया क्योंकि इसके लिये आईसीसी के भावी दौरों के कार्यक्रम (एफटीपी) के विस्तृत अध्ययन की जरूरत होगी। ऐसा समझा जाता है कि मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स विदेश में अपनी लोकप्रियता भुनाने की संभावना तलाश रहे थे। आईपीएल संचालन परिषद की बैठक में यह मसला आया था। एक सीनियर सदस्य ने कहा कि इस बारे में बात हुई लेकिन अंतिम फैसला आईसीसी एफटीपी देखकर ही लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें एफटीपी देखना होगा। हम टीमों के लिये छोटे टूर्नामेंट या दोस्ताना मैचों पर विचार कर रहे हैं। हम मार्च, अप्रैल और मई में खेलते हैं जिसके बाद टीमें खाली रहती है। हमें विदेश में भी खेल को लोकप्रिय बनाना है लेकिन एफटीपी देखना होगा। परिषद के एक अन्य सदस्य ने हालांकि कहा कि आईपीएल का संविधान टीमों को विदेश में एक दूसरे के खिलाफ खेलने की अनुमति नहीं देता।

डेविस कप कप्तानी को लेकर भूपति ने कहा– अभी भी कप्तान हूं

नयी दिल्ली। महेश भूपति ने बुधवार को कहा कि वह अभी भी भारत की डेविस कप टीम के कप्तान हैं और पाकिस्तान के खिलाफ तटस्थ स्थान पर होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिये उपलब्ध हैं। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने भूपति की जगह रोहित राजपाल को गैर खिलाड़ी कप्तान चुना है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने डेविस कप मुकाबला इस्लामाबाद की जगह तटस्थ स्थान पर कराने का फैसला किया। भूपति और रोहन बोपन्ना समेत छह खिलाड़ियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान दौरे से नाम वापिस ले लिया था। भूपति ने कहा कि एआईटीए ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान जाने में असमर्थता जताने के कारण उन्हें गैर खिलाड़ी कप्तान पद से हटाकर राजपाल को नियुक्त किया गया है। भूपति ने कहा कि मुझे मिस्टर चटर्जी का सोमवार को फोन आया जिन्होंने कहा कि रोहित को मेरी जगह कप्तान बनाया जा रहा है क्योंकि मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहता हालांकि मुझे पाकिस्तान से कोई दिक्कत नहीं, लेकिन नहीं जाना चाहता। उन्होंने लिखा कि सोमवार के बाद से या आईटीएफ के फैसले के बाद से एआईटीए ने मुझसे संपर्क नहीं किया। लिहाजा मैं उपलब्ध हूं क्योंकि मेरा मानना है कि मैं अभी भी कप्तान हूं। बतौर गैर खिलाड़ी कप्तान भूपति का कार्यकाल दिसंबर 2018 में खत्म हो गया था और उन्हें इस साल फरवरी में कोलकाता में इटली के खिलाफ मैच तक कार्यकाल में विस्तार दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया की महिला फुटबॉलरों को मिलेगा पुरुषों के बराबर वेतन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाली महिला फुटबॉलरों को अब अपने पुरुष समकक्षों के समान वेतन मिलेगा। इस करार का खाका बुधवार को पेश किया गया जिसे खेल में लैंगिक समानता की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई फुटबाल महासंघ (एफएफए) द्वारा घोषित नई केंद्रीकृत अनुबंध प्रणाली के अनुसार समंथा केर और एली कारपेंटर जैसी महिला स्टार खिलाड़ियों को पुरुष टीम के आरोन मूय और मैट रेयान जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के बराबर वेतन मिलेगा। साथ ही महिला खिलाड़ियों को पुरुषों के समान अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और टूर्नामेंटों के लिए विमान के 'बिजनेस क्लास' के टिकट मिलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई महासंघ का यह कदम अमेरिका की महिला फुटबॉलरों के लिए प्रेरक होगा जिन्होंने अमेरिकी फुटबॉल महासंघ के खिलाफ समान वेतन को लेकर मामला दायर कराया है और इस पर अगले साल मई में सुनवाई होनी है।

चीन ओपन से बाहर हुईं साइना नेहवाल, कश्यप दूसरे दौर में पहुंचे

फुजोउ (चीन)। खराब फॉर्म से जूझ रही पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल बुधवार को यहां स्थानीय दावेदार काइ यान यान के खिलाफ पहले दौर में हारकर सात लाख डालर इनामी चीन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी साइना को महिला एकल के पहले दौर के मुकाबले में सिर्फ 24 मिनट में सीधे गेम में चीन की खिलाड़ी के खिलाफ 9–21, 12–21 से हार झेलनी पड़ी।

पुरुष एकल में साइना के पति और निजी कोच पारूपल्ली कश्यप ने थाईलैंड के सिथिकोम थमासिन के खिलाफ सीधे गेम में आसान जीत दर्ज की। कश्यप ने थाईलैंड के विरोधी को 43 मिनट में 21–14, 21–3 से हराया। वह दूसरे दौर में सातवें वरीय डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से भिड़ेंगे। प्रणव जैरी चोपड़ा और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को भी पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को वैंग ची लिन और चेंग ची या की चीनी ताइपे की जोड़ी के हाथों 14–21, 14–21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद से 29 साल की साइना अपनी फिटनेस को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। साइना लगातार तीन टूर्नामेंट के पहले दौर में बाहर होने के बाद पिछले महीने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नई निदेशक बनीं पूर्व क्रिकेटर मेलानी जोन्स

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मेलानी जोन्स को अपना निदेशक नियुक्त किया। मेलानी ने 1997 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से पदार्पण किया और दो बार विश्व कप जीतने वाली टीम की सदस्य रहीं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए शतक बनाया। मेलानी ने कहा कि वह बोर्ड के साथ काम करने का मौका मिलने से रोमांचित हैं। क्रिकेट के प्रति सेवा के लिए 47 साल की मेलानी को इस साल देश के सर्वोच्च सम्मान में से एक 'मेडल आफ द आर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से नवाजा गया। मेलानी सरे काउंटी, इसेनडन मारिबिरनोंग पार्क प्रीमियर क्लब, विक्टोरिया और तस्मानिया की टीमों की ओर से खेलीं। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेलीविजन कमेंटेटर की भूमिका भी निभाई है।

भारत-पाक मैच से पहले मचा बवाल, कप्तान बदलने पर रोहन बोपन्ना का AITA पर फूटा गुस्सा

नयी दिल्ली। रोहन बोपन्ना ने पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले के लिये महेश भूपति को गैर खिलाड़ी कप्तान पद से हटाने से पहले खिलाड़ियों की राय नहीं लेने पर नाराजगी जताई जबकि एआईटीए ने कहा कि नीतिगत फैसलों पर टिप्पणी करना खिलाड़ियों के लिये सही नहीं है। पाकिस्तान के खिलाफ 29.30 नवंबर को होने वाला डेविस कप मुकाबला अब इस्लामाबाद की जगह तटस्थ स्थान पर खेला जायेगा। बोपन्ना और पांच अन्य खिलाड़ियों ने सुरक्षा कारणों से नाम वापिस ले लिया था। कप्तान भूपति ने भी यही वजह बताकर नाम वापिस लिया था जिसके बाद रोहित राजपाल को नया कप्तान बनाया गया। बोपन्ना ने ट्वीट किया कि मैं हैरान हूं कि आईटीएफ का अंतिम फैसला आने से पहले ही एआईटीए ने कप्तान बदलने का फैसला ले लिया। उन्होंने कहा कि मैं और भी हैरान हूं कि किसी खिलाड़ी से इस बारे में राय नहीं ली गई और ना ही बताया गया कि कप्तान बदला जा रहा है। बोपन्ना के बयान का जवाब देते हुए एआईटीए महासचिव हिरण्यमय चटर्जी ने कहा कि खिलाड़ियों का काम खेलना है , नीतिगत फैसलों में दखल देना नहीं। उन्होंने कहा कि वे अपनी सहूलियत के मुताबिक बर्ताव कर रहे हैं। उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर के मसलों पर सवाल करने का अधिकार नहीं है। उनका काम खेलना है। वह (बोपन्ना) ऐसे सवाल पूछने वाला कौन होता है। एआईटीए प्रशासन इन मसलों पर फैसला लेगा। उसे दखल देने की जरूरत नहीं है।

फ्लोरल प्रिंट नॉटेड टॉप में गॉर्जियस दिखीं इलियाना, मुंबई की सड़कों पर यूं दिए पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज इन दिनों फिल्म पागलपंती के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान इलियाना का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। हाल ही में इलियाना की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में वह फ्लोरल प्रिंट नॉटेड टॉप के साथ साइट कट स्कर्ट में काफी गॉर्जियस दिखीं। इस डीप नेक नॉटेड टॉप में उनके क्लीवेज साफ दिख रहे हैं। मिनिमल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक, ओपन हेयर्स उनके लुक को चार–चांद सगा रहे हैं। मीडिया के सामने इलियाना ने स्टाइलिश अंदाज में पोज दिए। तस्वीरों में उनका दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है। इलियाना की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि बीते दिनों इलियाना अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में थी। इलियाना पिछले कई सालों से वो एंड्रयू डेट कर रही थीं। कहा जा रहा था कि दोनों शादी करने वाले थे। हालांकि, इलियाना ने कभी अपने रिलेशन को ऑफीशियल नहीं किया। रिपोर्ट के अनुसार इस कपल के बीच काफी झगड़ा हुआ और दोनों में से कोई भी सुलह करने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म पागलपंती की बात करें तो इसमें इलियाना के अलावा जॉन अब्राहम ,उर्वशी रौलेता, अनिल कपूर,कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट समेत कई स्टार्स हैं। यह फिल्म 8 नवंबर को रिलीज हो रही है।

अदिति राव हैदरी और शनाया कपूर के कैजुअल लुक ने ढाया कहर, फैंस हुए दीवाने

कोई इवेंट हो या कैजुअल आउटिंग हर बार एक्ट्रेसेस अपने स्टनिंग लुक से फैंस को दीवाना बना ही लेती हैं। कुछ ऐसा ही लुक एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी और शनाया कपूर का भी सामने आया है, जहां दोनों अपने–अपने स्टाइल में फैंस का दिल जीतने में कामयाब हो रही हैं। एक्ट्रेस की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं। इस दौरान अदिति राव हैदरी ब्लैक कलर के कैजुअल वियर में बोल्ड दिखाई दे रही हैं। लुक को कैरी करते हुए एक्ट्रेस ब्लैक शॉर्ट में अपनी हॉट लेग्स फ्लॉन्ट करती हुई फैंस को क्रेजी कर रही हैं। नो मेकअप लुक के साथ हाई बन एक्ट्रेस के लुक को कम्पलीट कर रहा है। दूसरी ओर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर व्हाइट क्रॉप टॉप और ब्लैक ट्रेक में कहर ढा रही हैं। इस व्हाइट क्रॉप टॉप के अंदर से एक्ट्रेस के इनरवियर भी नजर आ रहे हैं। लाइट मेकअप, रेड लिपस्टिक और ओपन हेयर्स में शनाया स्माइल करते हुए अपने लुक को कम्पलीट कर रही हैं। वर्कफ्रंट पर शनाया कपूर जल्द ही कजन जाह्नवी कपूर की फिल्म द कारगिल गर्ल के जरिए बॉलीवुड में कदम रखेंगी। वहीं एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन में एक्ट्रेस परिणीति के अपोजिट अहम किरदार करती हुई नजर आएंगी।

पेट की बढ़ती चर्बी से छुटकारा दिलाएंगे ये 3 योगासन

शरीर में बढ़ी हुई चर्बी यानि की मोटापा न केवल कई तरह की बीमारियों को बढ़ावा देता है बल्कि आपकी पर्सनेलिटी को भी कम कर देता है। मोटापे के कारण आप काफी आलसी व थका हुआ महसूस करते है जिसका आपका काम में भी मन नहीं लगता है। चलिए आज हम आपको ऐसे योगासन के बारे में बताते है जिससे न केवल आपके पेट की चर्बी कम होगी बल्कि आपका शरीर में पूरी तरह से फिट रहेगा।

पाद हस्तासन

पाद हस्तासन करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं। अब धीरे–धीरे अपने कूल्हों से झुकते हुए अपने हाथों की अंगुलियों से पैरों को छूने की कोशिश करें। कुछ सेकेंड इसी पॉजीशन में रहकर दोबारा अपनी सीधे खड़े हो जाए।

फायदे

– झुकने से पेट पर दबाव पड़ता है और पेट की चर्बी कम होती है।

– शरीर में लचीलापन आता है।

– थकान दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है।

– बच्चों में लंबाई की समस्या दूर होती है।

– पेट की समस्याएं जैसी अपच, मासंपेशियों की कमजोरी, पेट का फूलना जैसी समस्या कम होती है।

कपालभाति प्राणायाम

आरामदायक आसन की स्थिति में बैठ कर सिर और रीढ़ की हड्डी को सीधा करते हुए हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रखें। आंखें बंद करके शरीर को ढीला छोड़ दें। अब दोनों नासिका से गहरी सांस लें और फिर पेट की मांसपेशियों को सिकोड़ते हुए सांस को बाहर निकाल दें। शुरुआत में यह प्रक्रिया 10 मिनट तक करें इसके बाद आप इसे बढ़ा भी सकते है।

फायदे

– शरीर में मेटाबॉलिजम को बढ़ा कर वजन कम करने में मदद करता है।

– शरीर की नाड़िया साफ होती है।

– डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए लाभदायक होता है।

– पेट की चर्बी को कम कर बॉडी शेप में लाने में मदद करता है।

परिवृत्त पार्श्वकोणासन

ताड़ासन की स्थिति में खड़े हो जाएं और अपने पैरों को 4 से 4.5 फीट तक खोलें। अब अपने दोनों हाथों को दोनों दिशाओं में पंख की तरह खोले। इसके बाद अपने बाएं हाथ को दाहिने पंजे के पास झुका कर लाएं और हथेली की जमीन पर रख दें। अपने दाएं हाथ को ऊपर की दिशा में ही सीधा रखें। इस पॉजीशन में 10 सेकंड तक रुके उसके बाद अपनी पहली वाली पॉजीशन में आ जाएं। अब इस प्रक्रिया को दूसरे हाथ से करें। इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराएं।

फायदे

– टांगों, घुटनों और टखनों में खिचाव आता है जिससे वह मजबूत बनते है।

– शरीर के निचले हिस्से खासकर पेट, जांघों और हिप्स में जमा चर्बी को कम करता है।

– कमर दर्द, पीठ, पैर और जोड़ों के दर्द में भी फायदेमंद होता है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक कपिल देव शुक्ला द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं0:25 लोलेपुर सुलतानपुर उ0प्र0. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट,पो0 व थाना कूरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0) से प्रकाशित सम्पादक : **कपिल देव शुक्ला**, मो0 9415739288, 9721748962 सह संपादक : **अंकित ''राधे''**
E-mail: kdshukla.79@gmail.com, वेबसाईट : www.kdnewslive.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।